बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(भाग 2—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर रहित)

शुक्रवार, तिथि 12 जनवरी, 1979

विषय-सूची

	पृष्ठ
गैर-सरकारी संकल्प :	
(क) राज्य के 'लॉ ऐंड आर्डर' की स्थिति पर वाद-विवाद (अस्वीकृत)	1—11
(ख) पलामू जिला में वाटर टावर द्वारा जलापूर्त्ति (वापस) ..	12—14
श्री रामानन्द तिवारी के अनशन से उद्भूत स्थिति	14—24
शोक प्रकाश :	
बिहार विधान-सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री विश्वनाथ राय की निर्मम हत्या पर शोकोद्गार।	24—28
दैनिक निबंध	29-30

टिप्पणी—जिन मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपना भाषण संशोधन नहीं किया है, उनके नाम के आगे (*) चिह्न लगा दिये गये हैं।

समय नहीं है। जीरो आवर में इस तरह के प्रश्न उठाये जाते हैं।

श्री मिथिलेश प्र० सिंह—कल भी यह प्रश्न उठाया गया, लेकिन सरकार विचार नहीं कर रही है। इनका ब्लड प्रेसर हाई हो गया है।

(सदन में शोरगुल, कई माननीय सदस्य एक साथ खड़े होकर बोलने लगे।)

उपाध्यक्ष—मैं आपसे यह कहना चाहता हूं कि जो सवाल उठा रहे हैं, उससे मुझे मतभेद नहीं है और उससे मुझे कोई तफरका नहीं है। इसकी अहमियत को मैं समझता हूं, लेकिन प्रश्न है प्रक्रिया की। अभी नन-ऑफिसियल रिजोल्यूशन ले रहे हैं।....

श्री शालीग्राम सिंह तोमरै—जबतक सरकार जवाब नहीं देगी, तबतक हम कोई प्रक्रिया को चलने नहीं देंगे।

(सदन में पुनः शोरगुल, कई माननीय सदस्य एक साथ खड़े होकर बोलने लगे।)

श्री राजेन्द्र प्रताप सिंह—मेरा व्यवस्था का प्रश्न है। विशेष परिस्थिति में सभी प्रक्रिया को शिथिल करने का अधिकार आसन को है और इससे विशेष परिस्थिति क्या हो सकती है। सभी माननीय सदस्यों की राय है तो इसका समाधान हो जाना चाहिए।

उपाध्यक्ष—ये सदन के ऐडवोकेट-जेनरल हैं और इन्होंने व्यवस्था के प्रश्न पर कहा कि सदन को यह अधिकार है कि किसी भी प्रक्रिया को शिथिल करके कोई बात उठा सकते हैं। मैं सिर्फ इतना ही निवेदन करना चाहता हूं कि अभी नन-ऑफिसियल रिजोल्यूशन पर विचार हो रहा है। इसको 12 बजे आप उठाते तो अच्छा होता।

श्री मिथिलेश प्र० सिंह—उपाध्यक्ष महोदय, अभी मैं तिवारी जी को देखकर आ रहा हूं। उनका ब्लड प्रेसर हाई हो गया है, उनको खांसी हो रही है, उनकी स्थिति चिंताजनक है, ऐसी स्थिति में अगर कुछ नहीं किया जायगा तो कैसे होगा।

उपाध्यक्ष—किसी भी तरह का वक्तव्य 12 बजे के बाद ही होगा।

श्री राम विलास सिंह—उपाध्यक्ष महोदय,....

उपाध्यक्ष—आप पुराने सदस्य हैं। आप जानते हैं कि इस तरह का प्रश्न 12 बजे के बाद ही उठाया जाता है।

श्री राम विलास सिंह—उपाध्यक्ष महोदय, यह श्री रामानन्द तिवारी का व्यक्तिगत मामला नहीं है। आम लोगों के साथ भी वही स्थिति हो सकती है। जब हम इलाके में जाते हैं, और यह बात कोने-कोने में फैल गयी है कि श्री रामानन्द तिवारी भ्रष्टाचार